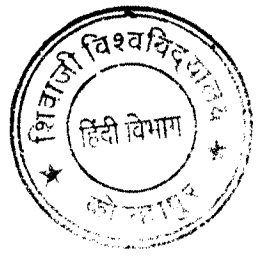

संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि ***श्री. अनिल विठ्ठल मकर*** का ***''रामदरश मिश्र के काव्य में प्रतिबिंबित युगीन जीवन''*** (***'रामदरश मिश्र की प्रतिनिधि कविताएँ'*** तथा ***'बाजार को निकले हैं लोग'*** ***के विशेष संदर्भ में***) लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए ।

27/12/07

(डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण)

अध्यक्ष,

हिंदी विभाग,

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

स्थान - कोल्हापुर

तिथि - 27 DEC 2007

डॉ. प्रकाश शंकरराव चिकुर्डेकर,
एम्.ए., बी.एड्., एम्.फिल., पीएच्.डी.
वरिष्ठ (श्रेणी) अधिव्याख्याता,
हिंदी विभाग,
यशवंतराव चव्हाण वारणा महाविद्यालय,
वारणानगर, जि. कोल्हापुर
वारणानगर - 416 113

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ***श्री. अनिल विठ्ठल मकर*** ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की *एम.फिल. (हिंदी)* उपाधि के लिए ***''रामदरश मिश्र के काव्य में प्रतिबिंबित युगीन जीवन''*** (*'रामदरश मिश्र की प्रतिनिधि कविताएँ' तथा 'बाजार को निकले हैं लोग' के विशेष संदर्भ में*) लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में पूरे परिश्रम के साथ लिखा है। पूर्वयोजना के अनुसार संपन्न इस शोध-कार्य में शोधार्थी ने मेरे सुझावों का आद्यंत पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह से संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गयी है।

शोध-निर्देशक

स्थान - कोल्हापुर

तिथि - 27 DEC 2007

(डॉ. प्रकाश शंकरराव चिकुर्डेकर)

प्र ख्या प न

मैं प्रख्यापित करता हूँ कि *''रामदरश मिश्र के काव्य में प्रतिबिंबित युगीन जीवन''* (*'रामदरश मिश्र की प्रतिनिधि कविताएँ' तथा 'बाजार को निकले हैं लोग' के विशेष संदर्भ में*) लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो **एम्.फिल. (हिंदी)** उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है । यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-छात्र

स्थान - कोल्हापुर.

तिथि - 27 DEC 2007

Makar

(श्री. अनिल विठ्ठल मकर)

रामदरश मिश्र